समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

Mr. Sunil Keshavrao Poreddiwar ने Sanskriti Sanskrutik Bhavan Gadchiroli के माध्यम से संघर्ष, समाजसेवा और उद्यमिता की मिसाल कायम की

Sanket Morankar

Published on 20 Jul 2026

सफलता केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और स्पष्ट लक्ष्य से प्राप्त होती है। इसी सत्य को अपने जीवन से सिद्ध किया है **Mr. Sunil Keshavrao Poreddiwar**, Director of **Sanskriti Sanskrutik Bhavan Gadchiroli**, जिन्होंने अत्यंत साधारण पारिवारिक परिस्थितियों से निकलकर व्यवसाय, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहचान बनाई है।

श्री सुनील केशवराव पोरेड्डीवार का बचपन आर्थिक कठिनाइयों के बीच बीता। उनके पिता एक सामान्य कार्यालयीन कर्मचारी थे और सीमित आय में पूरे परिवार तथा चारों बच्चों की शिक्षा का दायित्व निभाना उनके लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। परिवार की परिस्थितियों को देखते हुए श्री पोरेड्डीवार ने कम उम्र में ही जिम्मेदारियां संभाल लीं और शिक्षा के साथ-साथ नौकरी करने का निर्णय लिया।

उन्होंने राजस्व विभाग में लिपिक के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की। नौकरी करते हुए ही उन्होंने **B.Sc.** तथा **B.Ed.** की शिक्षा पूरी की। शिक्षा पूर्ण होने के बाद उन्होंने सरकारी शिक्षक के रूप में अपना करियर शुरू किया और आगे चलकर शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देते हुए **सेवानिवृत्त प्राचार्य** बने। हालांकि उनके भीतर एक सफल उद्यमी बनने का सपना हमेशा जीवित रहा।

वर्ष **2000** में उन्होंने अपनी नौकरी की आय से गढ़चिरौली के राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप लगभग **2 एकड़ भूमि** मात्र **₹1.5 लाख** में खरीदी। उस समय यह निर्णय कई लोगों को जोखिमपूर्ण लगा, लेकिन श्री पोरेड्डीवार ने अपने आत्मविश्वास और दूरदृष्टि पर भरोसा बनाए रखा।

उन्होंने धीरे-धीरे उसी भूमि पर एक छोटे से समारोह भवन का निर्माण किया। उत्कृष्ट सेवा, ईमानदार कार्यशैली और ग्राहकों के विश्वास के कारण उनके इस प्रयास को लगातार सफलता मिलने लगी। बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय का

विस्तार किया और आज गढ़चिरौली जैसे आदिवासी एवं पिछड़े जिले में **लगभग 3000 लोगों की क्षमता वाला अत्याधुनिक, वातानुकूलित भव्य मंगल कार्यालय एवं लॉन** स्थापित किया है।

Sanskriti Sanskrutik Bhavan Gadchiroli आज केवल एक विवाह एवं कार्यक्रम स्थल नहीं, बल्कि जिले की सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आधुनिक सुविधाओं, विशाल परिसर और उत्कृष्ट प्रबंधन के कारण यह गढ़चिरौली जिले के प्रतिष्ठित आयोजन स्थलों में अपनी अलग पहचान रखता है।

व्यवसायिक सफलता के साथ-साथ श्री पोरेड्डीवार ने समाजसेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बनाया। पिछले **20 वर्षों** से वे गढ़चिरौली में **अंध, दिव्यांग, निराश्रित एवं वृद्धजनों के लिए एक वृद्धाश्रम** का निस्वार्थ संचालन कर रहे हैं। वर्तमान में यहां लगभग **40 वृद्धजन** सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं और उन्हें भोजन, आवास, स्वास्थ्य तथा आवश्यक देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

उनकी इस मानवीय सेवा और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रतिष्ठित **लोकमत भूषण पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान, सेवा भावना और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

श्री सुनील केशवराव पोरेड्डीवार का मानना है कि सफलता किसी व्यक्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसकी मेहनत, ईमानदारी और मजबूत इच्छाशक्ति पर आधारित होती है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे, तो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं।

उन्होंने शिक्षा, व्यवसाय और समाजसेवा—तीनों क्षेत्रों में संतुलित एवं अनुकरणीय कार्य करते हुए यह सिद्ध किया है कि एक सफल उद्यमी वही होता है जो समाज को भी साथ लेकर आगे बढ़े।

आज **Sanskriti Sanskrutik Bhavan Gadchiroli** जिले की पहचान बन चुका है और आने वाले समय में इसे और आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित करने की दिशा में कार्य जारी है। उनका उद्देश्य गढ़चिरौली जैसे क्षेत्र में उच्चस्तरीय आयोजन सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और विकास के नए अवसर सृजित करना है।

Mr. Sunil Keshavrao Poreddiwar की प्रेरणादायक यात्रा संघर्ष से सफलता, शिक्षा से उद्यमिता और व्यवसाय से समाजसेवा तक की एक अद्भुत कहानी है। उनका जीवन हजारों युवाओं को यह संदेश देता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत ईमानदार हो और समाज के प्रति सेवा का भाव हो, तो कोई भी व्यक्ति सामान्य परिस्थितियों से उठकर असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.